देता हरदम साँवरे तू हारे का साथ

देता हर दम सांवरे तू हारे का साथ,
मैं भी जग से हार के आया थाम ले मेरा हाथ,
देता हर दम सांवरे……..

रो रही आँखें मेरी हँसता ज़मान है,
मुश्किलों में घिर गया तेरा दीवाना है,
बिन तेरे कौन सुने मेरे दिल की बात,
मैं भी जग से हार के आया थाम ले मेरा हाथ,
देता हर दम सांवरे……..

हर कदम पर क्यों भला मैं मार खाता हूँ,
जीतना चहुँ मगर मैं हार जाता हूँ,
आजा अब तू देख ले मेरे ये हालात,
मैं भी जग से हार के आया थाम ले मेरा हाथ,
देता हर दम सांवरे……..

तू नहीं सुनता अगर किसको बताता मैं,
घाव जो दिल पे लगे किसको दिखता मैं,
हर्ष ज़माने ने दिए कितने ही आघात,
मैं भी जग से हार के आया थाम ले मेरा हाथ,
देता हर दम सांवरे……..

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/31154/title/deta-hardum-sanwre-tu-haare-ka-saath

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |